DELHI PUBLIC SCHOOL TAPI

CLASS IV

पाठ 12

'सुनीता की पहिया कुरसी'

नीचे दिए गए कार्यपत्रक को ध्यान से पढ़िए। 20-02-20 को अध्याय से संबंधित पुनरावृत्ति कार्य करवाया जाएगा।

(1) अतिलघु प्राश्नोत्तरी

(क) सुनीता कितने बजे तक तैयार हो गई?
(क) सुनीता आठ बजे तक तैयार हो गई?

(ख) सुनीता ने अपनी माँ से क्या माँगा?
(ख) सुनीता ने अपनी माँ से रूपए और झोला माँगा?

(ग) बच्चे छोटू कहकर क्यों बुला रहे थें?
(ग) छोटा कद होने के कारण बच्चे अमित को छोटू कहकर बुला रहे थें?

(घ) दुकान में घुसने के लिए सुनीता को किस पर चढ़ना था?
(घ) दुकान में घुसने के लिए सुनीता को सीढ़ियों पर चढ़ना था?

(ङ) सुनीता ने अमित से पैर से क्या दबाने के लिए कहा?
(ङ) सुनीता ने अमित से पैर से पहिया कुरसी का पैडिल दबाने के लिए कहा?

(च) सुनीता को किसका व्यवहार अच्छा नहीं लगा?
(च) सुनीता को दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं लगा?

(छ) सुनीता क्या पहली बार अकेले करने वाली थी?
(छ) सुनीता पहली बार अकेले बाज़ार जाने वाली थी।

(ज) फ़रीदा सुनीता को टुकर-टुकर क्यों देख रही थी?
(ज) फ़रीदा सुनीता को पहिया कुरसी के कारण टुकर-टुकर देख रही थी।

(झ) माँ ने बाज़ार जाने से पहले सुनीता को क्या दिया?
(झ) माँ ने बाज़ार जाने से पहले सुनीता को झोला और रूपए दिए।

(2) <u>लघु प्राश्नोत्तरी ः</u>

(क) सुनीता को सब लोग गौर से क्यों देख रहे थे?

(ख) सुनीता को दुकानदार का व्यवहार क्यों बुरा लगा?

(ग) सुनीता को क्या देखने में मज़ा आता था?

उत्तर ः

(क) सुनीता को सब गौर इसलिए देख रहे थे, क्योंकि वह अपने पैरों से चलने-फिरने में असमर्थ थी और पहिया-कुर्सी में बैठकर चल रही थी।

(ख) दुकानदार ने चीनी सुनीता के हाथ में देने की बजाय, उसकी गोद में डाल दी थी। सुनीता को दुकानदार की दया नहीं चाहिए थी। वह चाहती थी कि उसके साथ अन्य लोगों की तरह समान व्यवहार किया जाए। लेकिन दुकानदार उसके समान व्यवहार नहीं कर रहा था। अपाहिज़ समझकर वह दया दिखा रहा था। दुकानदार का यह व्यवहार सुनीता को उसकी कमी की याद दिला रहा था इसलिए उसे दुकानदार का व्यवहार बुरा लगा।

(ग) सुनीता को बाहर की दुनिया देखने में मज़ा आता था।

(3) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

(क) फुर्ती	-	चुस्ती	(ख) रोज़ाना	-	प्रतिदिन
(ग) स्वयं	-	अपने आप	(घ) कद	-	लंबाई
(ङ) अजीब	-	अनोखा	(च) राहत	-	चैन
(छ) व्यवहार	-	बर्ताव	(ज) नज़र आना	-	दिखाई देना
(झ) झट से	-	जल्दी से	(ञ) परवाह	-	चिंता

(4) किसने, किससे कहा? समझने की कोशिश कीजिए।

1। "माँ अचार की बोतल पकड़ाना।"	सुनीता ने	अपनी माँ से
2। "अलमारी में रखी है ले लो।"	माँ ने	सुनीता से
3। "तुम्हारे पास यह अजीब सी चीज़ क्या है?"	फ़रीदा ने	सुनीता से
4। "इस तरह का सवाल नहीं पूछना चाहिए फरीदा।"	फ़रीदा की माँ ने	फ़रीदा से
5। "क्या मैं तुम्हारी मदद करूँ?"	अमित ने	सुनीता से
6। "अब मैं दुकान तक खुद पहुँच सकती हूँ।"	सुनीता ने	अमित से